रूम-मेट बन गया मेरी बीवी-2

“अब मैं रोज़ रात को उसे चोदने लगा, उसके चूतड़ चौड़े और गोल-गोल थे, लड़कियों जैसे पतले-पतले हाथ थे.. वो मेरी गर्लफ्रेंड की कमी को कभी महसूस नहीं होने देता था। ...”

Story By: हिमांशु बजाज (himanshubajaj)
Posted: Friday, September 23rd, 2016
Categories: गे सेक्स स्टोरी
Online version: रूम-मेट बन गया मेरी बीवी-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रूम-मेट बन गया मेरी बीवी-2

दोस्तो, अब तक आपने पढ़ा कि पहली रात राघव ने आदर्श की गांड को तीन बार पेला..
अब आगे की कहानी राघव की ही ज़ुबानी..

अब तो मैं रोज़ ही रात को उसे चोदने लगा, जैसे उसकी गांड मेरे लिए ही बनी हो!
उसका लंड खड़ा होने पर भी 4 इंच का हो पाता था लेकिन उसका कोमल लड़कियों जैसा जिस्म और मखमली गांड.. मेरे तो वारे न्यारे हो गए थे।
उसके चूतड़ चौड़े और गोल-गोल थे और लड़कियों जैसे पतले-पतले हाथ थे.. वो मेरी गर्लफ्रेंड की कमी को कभी महसूस नहीं होने देता था।

फिर हम दोनों में कुछ भी छुपा न रहता था, हम सब कुछ शेयर करने लगे।

मैंने एक दिन उससे पूछा- तू चुदक्कड़ गांडू कैसे बन गया?
तो उसने अपनी कहानी बताई…
वो बोला कि वो बचपन से ही ऐसा था.. लड़कियों जैसा..

अब आगे की कहानी आदर्श की जुबानी

मेरे एक पड़ोस में एक भैया थे… उनके खेत में मजदूर काम करते थे.. गर्मियों के दिन थे.. तो एक दिन दोपहर के वक्त भैया ने मुझसे कहा कि चलो मेरे साथ.. मज़दूरों का खाना लेकर जाना है।
वो बाइक पर बैठाकर मुझे खेत पर ले गये।
मज़दूरों को खाना देने के बाद हम खेत में बनी कोठरी में चले गए, भैया ने कहा- धूप बहुत तेज़ है.. हम थोड़ी देर यहाँ पर ही रुकेंगे, तब तक तुम भी आराम कर लो।

कोठरी में एक चारपाई पड़ी हुई थी जिस पर पुरानी सी दरी बिछी हुई थी।
भैया ने अपनी शर्ट निकाल दी और उसको चारपाई के सिरहाने रखते हुए बनियान में ही चारपाई पर लेट गये। उन्होंने नीचे लोअर पहन रखी थी।

वो चारपाई एक तरफ सरकते हुए बोले- आ जा.. तू भी लेट जा..
मैं भी उनके पास लेट गया लेकिन मैंने उनकी तरफ पीठ की हुई थी।

कुछ देर बाद मुझे अपने चूतड़ों पर सख्त सी चीज लगती हुई महसूस हुई, मैंने कहा- भैया मुझे कुछ चुभ रहा है।
'क्या चुभ रहा है.. पीछे तो कुछ भी नहीं है.. देख ले तू खुद ही!'

मैंने भैया की तरफ करवट लेकर देखा तो उनका लंड लोवर में तना हुआ था और वो मुझे देखकर मुस्कुरा रहे थे।

मैं लंड को देखने लगा तो बोले- आज मैं तुझे अपनी वाइफ बनाऊँगा.. वैसे भी तो तू लड़की ही है।
यह कहते हुए उन्होंने मेरी निक्कर चूतड़ों से नीचे सरका कर मेरे चूतड़ों को हाथ में भींच दिया और दबाने लगे।

अगले ही पल वो मेरी गांड में उंगली डालने की कोशिश करने लगे।
मैंने कहा- भैया मुझे जाने दो…
कहकर मैं चारपाई से उठने लगा लेकिन उन्होंने मेरे हाथ पकड़कर मुझे वापस चारपाई पर गिरा लिया और मेरे गालों को चूमने लगे।

फिर मेरी टी-शर्ट निकाल दी और मेरी छोटी छोटी निप्पलों को चुटकी से काटने लगे।
उनका लंड उनकी लोअर में तनकर उछाले ले रहा था, उन्होंने मेरा हाथ पकड़कर अपनी

लोअर के अंदर डाल दिया और बोले- ये ले.. ये तेरा खिलौना है.. खेल इससे..!

मैं चुपचाप उनकी लोअर में अंदर हाथ डाले हुए अंडरवियर के ऊपर से लंड पर हाथ फिराने लगा.. मेरे हाथ का स्पर्श पाकर वो कामोत्तेजित होने लगे और उन्होंने लोअर निकाल कर एक तरफ फेंक दी।

अब वो अंडरवियर में थे और मैं नंगा बैठा हुआ उनके अंडरवियर पर से लंड को सहला रहा था।
उन्होंने अब अंडरवियर भी निकाल दिया और चारपाई पर पूरे नंगे लेट गए.. उनका सांवला सा लंड उनकी टांगों के बीचे में खड़ा था।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा और मेरे सिर को पकड़कर मेरे होंठ लंड के पास लाकर बोले- चूस ले इसे.. मेरी जान..
मैंने कहा- भैया.. मुझसे नहीं होगा..

तो उन्होंने मेरे मुंह को लंड में घुसेड़ दिया और पूरा जोर लगाकर लंड गले में उतार दिया। मुझे उल्टी आ गई।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

वो फिर डांटकर बोले- चूस बे!
मैं उनके 7 इंच के लंड को चूसने लगा.. वो भी मजे से चुसवाने लगे और कामुक सिसकारियां लेने लगे।

फिर उन्होंने मुझे उठाया और खुद भी उठकर मेरे मुंह के पास अपना मुंह ले आए और बोले- मुंह खोल!

मैंने मुंह खोला तो उन्होंने मेरे मुंह में थूक दिया और दूसरे ही पल मेरे मुंह को लंड में घुसा

दिया.. भैया के लंड से कामरस निकलने लगा और लंड का स्वाद नमकीन हो गया।

अब मुझे उनके लंड को चूसने में मज़ा आ रहा था… मैं उठा और बोला- भैया एक बार और थूको मेरे मुंह में..
तो वो कामुक हंसी हंसे और बोले- हाय मेरी जान.. आ गई तू लाइन पर!
कहते हुए उन्होंने बहुत सारा थूक अपने मुंह में इकट्ठा किया और मेरे होठों को अपने पास खींचते हुए अपने होंठ मेरे होठों पर रख दिए और सार थूक मेरे मुंह में दे दिया।

अबकी बार मैं खुद ही उनके लंड पर थूक उड़ेलते हुए लंड को मुंह में पूरा अंदर तक ले गया और चूसने लगा।

फिर वो उठे और बोले- चारपाई से नीचे उतर..
मैं नीचे आ गया और वो भी आ गए.. मुझे पास की दीवार की तरफ धकेल दिया, मैं दीवार से जा लगा।

मेरा मुंह दीवार की तरफ घुमाते हुए वो मेरी कमर पर किस करने लगे।
उनकी मूछों का स्पर्श मुझे अजीब सी वासना की तरफ धकेल रहा था।

वो मुझे चूमे जा रहे थे और मेरी गांड में उंगली भी डाले जा रहे थे.. फिर उन्होंने अपने हाथ में थूका और गांड के छेद पर रगड़ने लगे। उनकी उंगलियों का स्पर्श मुझे गांड के छेद पर अच्छा लग रहा था।

उन्होंने मेरी एक टांग उठा दी और लंड को छेद पर लगाकर धक्का मारा.. लंड की टोपी भी अंदर नहीं गई.. मेरी गांड बहुत टाइट थी और कभी चुदा भी नहीं था।
लेकिन दूसरी बार जैसे ही उन्होंने थूक से सना लंड धकेला.. पूरी टोपी जा घुसी..
और मेरी जान निकल गई.. मैं छटपटाने लगा..

पर उन्होंन मेरे हाथों को दबोचा हुआ था..

एक और धक्का मारते ही आधा लंड उतर गया और मैं उचक कर उनकी चंगुल से छुड़वाने की कोशिश करने लगा लेकिन उन्होंने और ताकत से साथ मुझे दबोच लिया और गालों को चूमते हुए बोले- बस-बस जानेमन.. हो गया.. आह… बस आराम से.. मजा आ रहा है बहुत.. क्या गर्म गांड है तेरी.. ऐसे ही लंड अंदर लिए खड़ी रह !

दर्द के मारे मेरे आंसू निकलने लगे।

भैया ने एक मिनट का विराम देकर मेरी गांड मारना शुरु किया और पांच मिनट बाद पूरा लंड अंदर बाहर होने लगा।

दर्द मुझे अब भी उतना ही हो रहा था लेकिन अब मज़ा भी आने लगा था इसलिए मैं भी उनसे गांड चुदवाने लगा।

वो मुझे बाहों में दबोचे हुए अपने मोटे लंबे लंड से मेरी गांड चोद रहे थे।
5-7 मिनट की चुदाई के बाद भैया मेरी गांड में झड़ गए… उनको असीम आनन्द मिला।

उसके बाद उन्होंनें कई बार मुझे खेत में ले जाकर अपने लंड की प्यास बुझाई और मुझे भी गांड मरवाने में मजा आने लगा।

राघव- यह कहानी आदर्श ने मुझे बताई तो मुझे पता चला कि भले ही वो बचपन से लड़कियों जैसा था लेकिन हालात ने उसे चुदने पर मजबूर कर दिया..
लेकिन अब आदर्श सिर्फ मेरा पार्टनर है.. वो मुझसे प्यार करने लगा है..
एक पत्नी की तरह मेरी देखभाल करता है.. रात को मेरे बालों में हाथ फेरता है.. और मुझे प्यार करते-करते सुला देता है..
वो बहुत अच्छा कुक भी है.. .मेरे लिए नूडल्स बनाता है.. खाना बनाता है..

मेरे कॉलेज के प्रोजेक्ट्स भी वही बनाकर देता है…
मुझसे लड़ता है झगड़ता है.. हालांकि मेरी गर्लफ्रेंड है.. जिसका होना आदर्श को बिल्कुल पसंद नहीं है.. वो उसे अपनी सौतन समझता है.. और कभी-कभी दिमाग भी खराब कर देता है और मैं सोचने लगता हूँ कि कहाँ इस गांडू के चक्कर में फंस गया..

लेकिन जो भी हो…वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है.. एक समलैंगिक किसी को इतना प्यार भी दे सकता है यह मुझे आदर्श के साथ होने से पता लगा।
पता नहीं क्यों मुझे भी उसका साथ पसंद आ गया है.. मेरे दिल में भी उसके लिए जगह हो गई है, उसके बिना मैं अधूरा सा महसूस करता हूँ और मैं उसको किसी और लड़के के साथ बर्दाश्त नहीं कर पाऊँगा शायद !

पहले मुझे लगता था कि कहीं मुझे कोई बीमारी तो नहीं हो गई है जो मैं एक लड़के में रुचि लेने लगा हूँ.. लेकिन मेरे एक दोस्त ने मुझे बताया कि मैं बायसेक्सुएल हूँ, ये एक नॉर्मल बात है..

और आदर्श का समलैंगिक होना भी प्रकृति का ही खेल है.. इसमें उसकी कोई गलती नहीं है।
मैं यह बात अच्छी तरह समझ गया हूँ..

हाँ लेकिन यह सोचकर बहुत दुख होता है कि इतने प्यारे इंसान को समाज गिरी हुई नज़र से देखता है वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उसको लड़के पसंद हैं और जिसमें उस लड़के कोई गलती भी नहीं है।

मैं बस आपसे यही पूछना चाहता हूँ कि जो आपको प्यार दे रहा है.. क्या उसको प्यार पाने का हक नहीं है ?
अपनी राय जरूर दें।

दोस्तो, यह थी राघव की कहानी.. मैं अंश बजाज धन्यवाद करता हूँ अन्तर्वासना का जो राघव की कहानी आप सबके समक्ष रखने का मौका दिया।
और धन्यवाद करता हूँ राघव को जो उन्होंने अपनी कहानी मेरे साथ शेयर की।
नमस्कार!

himbajanshu@gmail.com

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरो की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने […]
Full Story >>>

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. […]
Full Story >>>

मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी […]
Full Story >>>

मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षो से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे […]
Full Story >>>

ऑफिस की मैम की चूत और गांड

मेरा नाम शकील है और मैं मुंबई से हूँ. मैं एक निजी कंपनी में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 28 साल है व हाइट 5 फुट 8 इंच है. मैं देखने में ठीक ठाक हूँ. मेरी कंपनी में कौसर मेम […]
Full Story >>>